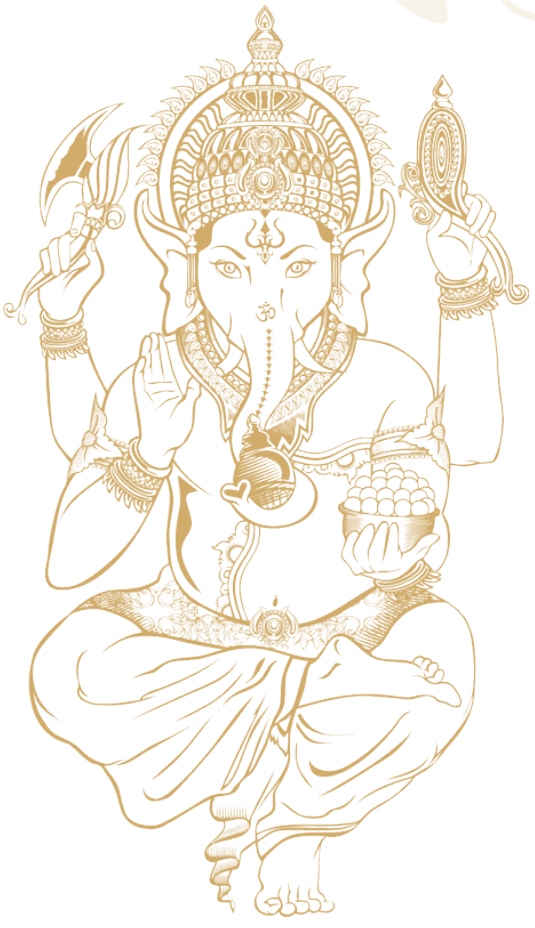

Mr.Abhishek Sharma

Ms.shikha Sharma

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121760202

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
22/09/1995	जन्म तिथि	11/06/1995
शुक्रवार	दिन	रविवार
घंटे 06:20:00	जन्म समय	10:55:00 घंटे
घटी 00:36:51	जन्म समय(घटी)	13:03:36 घटी
India	देश	India
Hyderabad	स्थान	Hyderabad
17:22:00 उत्तर	अक्षांश	17:22:00 उत्तर
78:26:00 पूर्व	रेखांश	78:26:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:16:16	स्थानिक संस्कार	-00:16:16 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:05:15	सूर्योदय	05:41:33
18:12:52	सूर्यास्त	18:50:04
23:47:58	चित्रपक्षीय अयनांश	23:47:45

विंशोत्तरी केतु 5वर्ष 9मा 0दि	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी गुरु 5वर्ष 10मा 17दि
सूर्य	07:30:08	कन्या	लग्न	सिंह	06:30:20	बुध
22/06/2021	04:45:28	कन्या	सूर्य	वृष	26:03:13	28/04/2020
23/06/2027	02:22:41	सिंह	चंद्र	तुला	28:25:56	28/04/2037
सूर्य 10/10/2021	16:04:44	तुला	मंगल	सिंह	14:07:40	बुध 24/09/2022
चन्द्र 11/04/2022	26:22:44	कन्या	बुध व	वृष	17:17:55	केतु 22/09/2023
मंगल 17/08/2022	15:21:27	वृश्चि	गुरु व	वृश्चि	15:29:24	शुक्र 23/07/2026
राहु 11/07/2023	13:26:37	कन्या	शुक्र	वृष	06:52:07	सूर्य 29/05/2027
गुरु 28/04/2024	26:58:16	कुंभ व	शनि	मीन	00:25:57	चन्द्र 27/10/2028
शनि 10/04/2025	02:57:45	तुला व	राहु व	तुला	11:01:27	मंगल 25/10/2029
बुध 15/02/2026	02:57:45	मेष व	केतु व	मेष	11:01:27	राहु 13/05/2032
केतु 23/06/2026	02:48:49	मक व	हर्ष व	मक	06:08:48	गुरु 19/08/2034
शुक्र 23/06/2027	29:01:18	धनु व	नेप व	मक	01:15:44	शनि 28/04/2037
	04:33:38	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	04:51:16	

लग्न-चलित

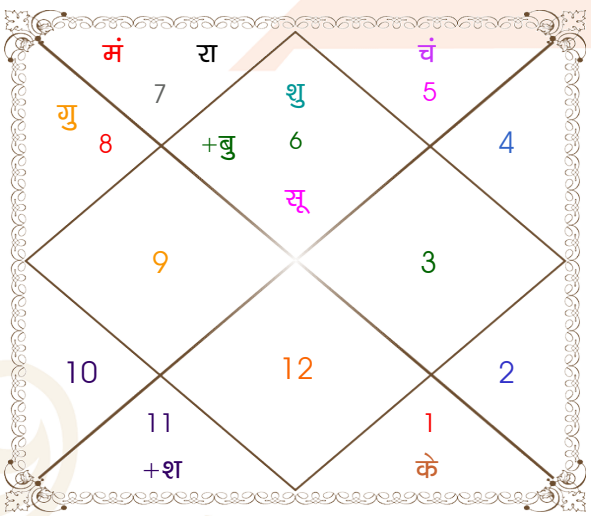

लग्न-चलित

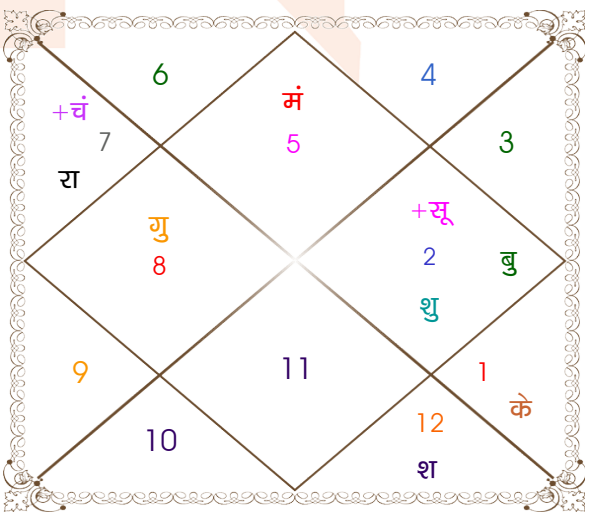

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	वनचर	मानव	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मूषक	व्याघ्र	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	सूर्य	शुक्र	5	0.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	सिंह	तुला	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	17.50		

डतण ।ड्डीपीमा ौंतउं का वर्ग मूषक है तथा डेणैपर्पी ौंतउं का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण ।ड्डीपीमा ौंतउं और डेणैपर्पी ौंतउं का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण ।ड्डीपीमा ौंतउं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

डेणैपर्पी ौंतउं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि डतण ।ड्डीपीमा ौंतउं कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण ।ड्डीपीमा ौंतउं तथा डेणैपर्पी ौंतउं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।